वर्ष - 34 अंक - 19 (साप्ताहिक, प्रत्येक गुरुवार) इन्दौर, 19 जून 2025 से 25 जून 2025 मूल्य 1 रुपये पृष्ठ 4

सोने की कलम

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

Email - sonekikalam@gmail.com

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809

www.sonekikalamnews.com

लाड़ली बहनों को दिवाली से मिलेंगे 1500 महीना

सीएम ने कहा- संकल्प डंके की चोट पर पूरा करेंगे

2028 में 3000

◆इंदौर, सोने की कलम।

मध्यप्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों को दिवाली से 1500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में गुरुवार को यह घोषणा की। वे विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी के ग्राम तलून में आयोजित कार्यक्रम को इंदौर कलेक्टोरेट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि हम लाड़ली बहनों तीन हजार रुपए प्रति माह देने के अपने संकल्प पर कायम हैं। हमने डंके की चोट पर कहा है और इसे पूरा करेंगे। यह योजना पहले 1000 रुपए प्रति माह से शुरू हुई थी फिर हमने इसे 1250 रुपए किया। 2028 तक इसे बढ़ाकर 3 हजार रुपए कर देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1250 रुपए की राशि हम दे रहे हैं, लेकिन अगले महीने रक्षाबंधन पर्व के शगुन के रूप 250 भी ट्रांसफर किए जाएंगे।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि बीजेपी की सरकार जवाबदेही से चलती है। अय्याशी कांग्रेस करती है और यह उनका रिकॉर्ड है कि सभी नेता जमानत पर चल रहे हैं। बीजेपी सरकार जनता के लिए काम करती है।

कानून तोड़ने वालों से निपटना जानते हैं

कांग्रेसी पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत के लव जिहाद के लिए फंडिंग के मामले में फरारी पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार में कानून का राज चलता है। कानून तोड़ने वालों से निपटना जानते हैं, चाहे वह डकैत हो या डकैत का बाप। हमने प्रशासन से भी कहा है जो जहां मिले उसे पकड़ो, हर हाल में कानून का शासन रहेगा।

उज्जैन में सिंहस्थ के लिए हाईटेक बनेंगे 4 स्टेशन

◆उज्जैन, सोने की कलम।

उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों की शुरुआत हो गई है। करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे, इसलिए भीड़ और सुरक्षा को संभालने के लिए चार रेलवे स्टेशन को हाईटेक बनाया जाएगा। इन स्टेशनों पर फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर, हाई क्वालिटी सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन निगरानी, कंट्रोल रूम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीक लगाई जाएगी। इससे भीड़ को कंट्रोल करना और संदिग्ध लोगों पर नजर रखना आसान होगा। नई खेड़ी, पिंगलेश्वर, चिंतामन और विक्रम नगर स्टेशन को हाईटेक बनाया जाएगा। अगर कोई अपराधी ट्रेन से उज्जैन आता है तो इन तकनीकों की मदद से उसे पहचान कर पकड़ा जा सकेगा। स्टेशन पर तैनात पुलिस और आरपीएफ को खास ट्रेनिंग दी जाएगी।

फास्टैग : 3000 में 200 बार टोल क्रास कर सकेंगे, एक साल तक की रहेगी वेलेडिटी

◆नईदिल्ली, सोने की कलम।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को एक नया फास्टैग आधारित 'एनुअल पास' शुरू करने की घोषणा की। यह पास 3,000 की कीमत पर उपलब्ध होगा और 15 अगस्त से लागू किया जाएगा।

गडकरी ने बताया कि यह पास केवल निजी गैर-व्यावसायिक वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए होगा। यह पास एक्टिवेशन की तारीख से एक साल तक या अधिकतम 200 ट्रिप तक मान्य रहेगा, जो भी पहले पूरा हो। इस पास का उद्देश्य नेशनल हाईवे पर यात्रा को आसान और किफायती बनाना है। खासकर उन टोल प्लाज़ा को ध्यान में रखते

हुए जो 60 किलोमीटर की दूरी के भीतर आते हैं। इसके ज़रिए टोल भुगतान एक बार में और सस्ती दर पर हो सकेगा। मंत्री ने कहा कि यह एनुअल पास निजी वाहन चालकों के लिए यात्रा को तेज़, आसान और विवाद रहित बनाने में मदद करेगा। इससे टोल प्लाजा पर भीड़ और इंतज़ार का समय कम होगा।इस समय जिन यात्रियों को किसी टोल प्लाज़ा से बार-बार गुजरना होता है, वे जरूरी दस्तावेज जमा करके 340 प्रति माह का मासिक पास बनवा सकते हैं। पूरे साल के हिसाब से यह 4,080 का होता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की शुरुआत में नितिन गडकरी ने कार मालिकों के लिए पास योजना लाने का संकेत दिया था। इससे पहले फरवरी 2025 में NHAI ने यह स्पष्ट किया था कि FASTag लेनदेन के नए नियमों से हाईवे टोल प्लाज़ा पर यात्रियों की सुविधा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह सफाई तब दी गई थी जब नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने निष्क्रिय FASTag के कारण देर से होने वाले लेनदेन को लेकर एक नया नियम लागू किया था, जो 17 फरवरी से प्रभावी हुआ था।

मध्यप्रदेश सरकार ने जारी किए प्रमोशन के नियम

हर डीपीसी में आरक्षित वर्ग का अफसर होगा

सीधी भर्ती वाले पदों पर एससी-एसटी को 16-20% रिजर्वेशन

◆भोपाल, सोने की कलम। मोहन यादव कैबिनेट के लोकसेवा पदोन्नति नियम-2025 को मंजूरी देने के 48 घंटे बाद सामान्य प्रशासन विभाग (व्रष्ठ) ने प्रमोशन से जुड़े नियम जारी कर दिए हैं। गजट नोटिफिकेशन भी कर दिया गया है।

सरकार ने कहा है कि 9 साल से प्रमोशन बंद होने से बड़ी संख्या में कर्मचारी-अधिकारी बगैर पदोन्नत हुए रिटायर हो रहे हैं। ऐसी हालत में राज्य सरकार की कार्यक्षमता पर विपरीत असर पड़ रहा है और कर्मचारियों का मनोबल भी घट रहा है। इसलिए सरकार ने पदोन्नति के नए नियम बनाए हैं।

पदोन्नति नियम बनाए जाने के दौरान आरक्षित वर्ग (रिजर्व कैटेगरी) को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने और प्रशासनिक दक्षता और योग्यता को महत्व दिया गया है।

नियमों में कहा गया है कि सीधी भर्ती के पदों में एससी-एसटी वर्ग को 16 और 20 फीसदी आरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। इसलिए सरकार प्रमोशन में भी इन्हें इसी आधार पर आगे बढ़ने का मौका देने के लिए प्रतिबद्ध है। गजट नोटिफिकेशन के साथ ही सरकार के ये नियम प्रभावी हो गए हैं।

विभागीय पदोन्नति समिति बनेगी

राज्य शासन की ओर से पदोन्नति से भरे जाने वाले हर संवर्ग (कैडर) के पदों को अलग से तय किया जाएगा। इसके लिए समिति द्वारा फैसला लिया जाएगा। समिति के अध्यक्ष विभाग के सचिव और विभागाध्यक्ष सचिव होंगे। समिति में उपसचिव या उससे अधिक ऊंचे पद का जीएडी का एक अफसर भी शामिल होगा।

इसके साथ ही इन तीनों सदस्यों में से कोई एक सदस्य एससी वर्ग का नहीं होने पर एससी वर्ग का एक सेकेंड क्लास अधिकारी भी समिति में शामिल किया जाएगा। पहले तीन सदस्यों में से कोई सदस्य एसटी वर्ग का न होने पर सेकेंड क्लास कैटेगरी का एसटी वर्ग का एक अधिकारी भी कमेटी में शामिल होगा।

फैसला न होने की हालत में ये कमेटी काम करेगी

अगर विभागीय समिति द्वारा किसी मामले में अलग फैसला लिया जाता है तो ऐसे मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनेगी, जिसमें विभाग के सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव शामिल होंगे।

2028 तक के लिए बनेगी कमेटी

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा बनाए नियमों में कहा गया है कि जो कमेटी बनाई जाएगी वह साल 2024 से 2028 तक की विभागीय पदोन्नति समिति के लिए लागू मानी जाएगी। पांच साल के बाद इस कमेटी को फिर नए सिरे से बदला जा सकेगा।

गेरसंचारी रोगों के लिये प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में 1225 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

इन्दौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर गेरसंचारी रोगों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाणगंगा पर प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 1225 लोगों का पंजीयन किया गया, जो अब तक सर्वाधिक है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग 3800 से अधिक जाँचें की गईं। इनमें मुख्य रूप से 124 ईसीजी, 142 फाइब्रोस्कैन, 468 एचबी, 468 आरबीएस, 324 एसजीपीटी, 324 एसजीओटी, 324 लिपिड प्रोफाइल, 128 ईको, 92 यूएसजी, 55 मैमोग्राफी, 247 जनरल मेडिसिन, 157 कार्डियोलॉजी, 162 गैस्ट्रोलॉजी, 130 गायनेकोलॉजी, 54 रूमेटोलॉजी, 105 कैंसर स्क्रीनिंग, 74 डेंटल चेकअप, जाँचें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना है बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान रोकथाम में भी मदद पहुंचाना है। संभागायुक्त श्री सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

बिजली कंपनियों में नई भर्ती के सफल युवाओं के दस्तावेज परीक्षण 23 जून से

इन्दौर। मध्यप्रदेश ऊर्जा विभाग के तत्वावधान में पूर्व, पश्चिम एवं मध्य तीनों ही बिजली वितरण कंपनियों, पावर मैनेजमेंट कंपनी, ट्रांसमिशन कंपनी, जनरेशन कंपनी के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों के लिए सफल उम्मीद्वारों के दस्तावेज परीक्षण के लिए तारीखें जारी कर उम्मीद्वारों को सूचित कर दिया गया हैं। वर्तमान में कुल 1974 पदों पर सफल उम्मीद्वार युवाओं को सूचना भेज दी गई हैं। इन सफल उम्मीद्वारों को उज्जैन, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सागर इत्यादि रीजन मुख्यालयों, कंपनी मुख्यालयों पर 23 जून से 15 जुलाई तक दी गई तारीख पर दस्तावेज परीक्षण के लिए पहुंचना होगा। बिजली कंपनियों ने ऑन लाइन ली गई परीक्षा में सफल उम्मीद्वारों को निर्धारित रीजन मुख्यालयों, कंपनी मुख्यालयों पर मूल दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित होने का आह्वान किया गया हैं। इसके बाद नियुक्ति पत्र एवं पदस्थी के बारे में कार्रवाई की जाना हैं।

"छाता वर्षा नहीं रोक सकता किन्तु वर्षा में खड़े रहने का साहस अवश्य देता है
ठीक इसी प्रकार
आत्मविश्वास सफलता की गारन्टी नहीं हैं किन्तु संघर्ष करने की प्रेरणा अवश्य देता है"

संपादकीय

कश्मीर और पाकिस्तान मसलों में तीसरे पक्ष की कोई जगह नहीं

कश्मीर मसले समेत पाकिस्तान से जुड़े अन्य मुद्दों पर भारत का रुख हमेशा से द्विपक्षीय बातचीत पर केंद्रित रहा है। किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया। संयुक्त राष्ट्र और कुछ अन्य देशों की ओर से कश्मीर मसले पर मध्यस्थता की पेशकश की जाती रही है, लेकिन भारत ने उन्हें सिरे से खारिज कर दिया। पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद 'आपरेशन सिंदूर' से सहमे पाकिस्तान ने भारत पर हमले का नाकाम प्रयास किया था। मगर, इससे पहले कि कार्रवाई तेज होती, दोनों देशों की सहमति से संघर्ष विराम की घोषणा कर दी गई।

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर यह दावा किया कि अमेरिका की मध्यस्थता की बदौलत ही भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम हो पाया है। भारत ने इस दावे को तत्काल खारिज कर दिया था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से फोन पर बातचीत में भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान के आग्रह पर ही भारत ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी। इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है।

दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की सबसे पहले घोषणा डोनाल्ड ट्रंप ने दस मई को सोशल मीडिया के जरिए की थी। उन्होंने यह दावा भी किया था कि संघर्ष रोकने पर सहमत न होने पर उन्होंने दोनों देशों के साथ व्यापार रोकने की चेतावनी दी थी। इसके बाद ट्रंप ने कई बार इस दावे को दोहराया कि अमेरिका ने ही दोनों देशों को संघर्ष विराम के लिए राजी किया। हालांकि, ट्रंप के दावे से पैदा हुई भ्रम की स्थिति को दूर करने के लिए सरकार ने कई दफा स्पष्ट किया कि इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है।अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा में जी-7 देशों के सम्मेलन में भाग लेने गए थे, जहां डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। मगर, इस दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच सम्मेलन से इतर बातचीत नहीं हो पाई। प्रधानमंत्री ने बीते मंगलवार को ट्रंप से फोन पर बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के मुताबिक, इस दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों हुए संघर्ष पर भी बात हुई और प्रधानमंत्री ने दो टूक कहा कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई रोकी थी।

मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि भारत ने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न कभी स्वीकार करेगा। यह भी साफ किया चुका है कि अब आतंकवाद को छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखा जाएगा। इसमें दोराय नहीं है कि आपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई नपी-तुली, सटीक तथा तनाव को और बढ़ावा नहीं देने वाली थी। भारत का यह रुख निस्संदेह पाकिस्तान के लिए भी एक कड़ा संदेश है कि अगर वह द्विपक्षीय मसलों में किसी तीसरे पक्ष को बीच में लाने का प्रयास करेगा, तो उसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सहायक उद्यान अधिकारी की सेवा समाप्त

ईओडब्ल्यू के छापे में मिली थी बेहिसाब संपत्ति

चेतन पाटिल को तत्काल प्रभाव से सेवा से हटाया गया, छापे में करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

निगम की छवि धूमिल करने पर कार्रवाई की गई

◆इंदौर, सोने की कलम। भ्रष्टाचार में लिप्त करोड़ों के आसामी नगर निगम के सहायक उद्यान अधिकारी चेतन पाटिल की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने बुधवार को इसके आदेश जारी कर दिए। आदेश तत्काल प्रभावशील भी हो गया है।

आर्थिक अपराध ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने 17 जून 2025 मंगलवार को पाटिल के गुलमोहर ग्रीन स्थित आवास और नगर निगम मुख्यालय स्थित कार्यालय पर छापा मार कार्रवाई की थी। जांच में यह बात सामने आई कि 21 वर्ष की नौकरी में पाटिल

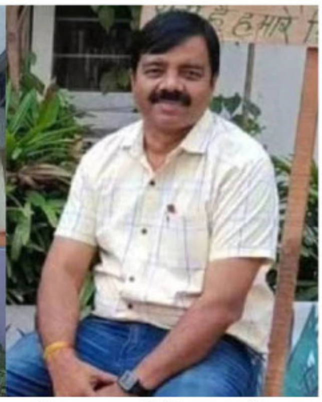

को वेतन के रूप में तो 15 लाख रुपये ही मिले, लेकिन उसके पास संपत्ति इससे कई गुना ज्यादा है।

ईओडब्ल्यू ने पाटिल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(सी) एवं सहपठित 13(1)बी, 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर इसकी सूचना निगमायुक्त को दी थी। चेतन नगर निगम में विनियमित कर्मी था। निगमायुक्त द्वारा जारी आदेश में कहा है कि पाटिल के इस कृत्य से निगम की छबि धूमिल हुई है। उसका यह कृत्य, भ्रष्टाचार घोर कदाचार की श्रेणी में आता है। उसकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती हैं।

मस्टरकर्मी के रूप में हुआ था भर्ती

चेतन वर्ष 2024 में नगर निगम में मस्टरकर्मी के रूप में भर्ती हुआ था। वह कई जोन कार्यालयों पर सहायक यंत्री के रूप में पदस्थ रहा। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों में घुसपैठ बनाकर वह उद्यान अधिकारी के पद तक पहुंच गया था। उस पर अप्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान पौधे खरीदी में गड़बड़ी करने सहित आर्थिक अनियमितता के कई आरोप हैं।

इंदौर से गाजियाबाद के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होगी

5 हजार रुपए से टिकट की शुरुआत, कंपनी अभी से कर रही बुकिंग

◆इंदौर, सोने की कलम। इंदौर से गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट के लिए 20 जुलाई से सीधी फ्लाइट शुरू होने जा रही है। इसका संचालन इंडिगो एयरलाइंस करेंगी। कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है और उड़ान के संचालन की पूरी तैयारी कर ली गई है।

ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादोन ने बताया कि यह इंदौर से गाजियाबाद के लिए पहली सीधी उड़ान होगी। इसके शुरू होने से इंदौर का उत्तर प्रदेश के दो शहरों से हवाई संपर्क स्थापित हो जाएगा।

दिल्ली की यात्रा के लिए बेहतर विकल्प

दिल्ली एयरपोर्ट देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। इस पर लोड कम करने के लिए नोएडा में जेवर एयरपोर्ट विकसित किया जा रहा है और साथ ही हिंडन एयरपोर्ट से भी नई उड़ानों का संचालन शुरू किया जा रहा है।

हिंडन एयरपोर्ट, दिल्ली से मात्र 20 किमी और नोएडा से करीब 30 किमी दूर स्थित है। ऐसे में यह उड़ान दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों को एक नया और सुविधाजनक विकल्प प्रदान करेगी।

तीन कैटेगरी में बुकिंग शुरू

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक इंडिगो ने फ्लाइट की बुकिंग तीन कैटेगरी में शुरू की है-

सेवर- 5,033, फ्लेक्सी प्लस- 5,924, सुपर 6E- 7,062

यह रहेगा फ्लाइट शेड्यूल

हिंडन से इंदौर- दोपहर 2:10 बजे उड़ान भरकर, 3:30 बजे इंदौर पहुंचेगी।

इंदौर से हिंडन- शाम 4:00 बजे रवाना होकर, 5:20 बजे हिंडन एयरपोर्ट पहुंचेगी।

इस रूट पर 72 सीटर एटीआर विमान का संचालन किया जाएगा।

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना में 12.55 लाख का घोटाला

5 संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

◆इंदौर, सोने की कलम। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को केंद्र से मिलने वाली छात्रवृत्ति में लाखों रुपये की गड़बड़ी सामने आई है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर 5 संस्थानों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया गया है।

इन संस्थानों पर नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर अपात्र छात्रों की जानकारी प्रस्तुत करने एवं 9वीं और 10वीं के फर्जी छात्रों का पंजीयन करने का आरोप है। क्राइम ब्रांच इस पूरे मामले की जांच में जुटी है। डीसीपी(अपराध)राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक अनिल कुमार सोनी की ओर से उन्हें लिखित शिकायत की गई है।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इन 5 संस्थानों के विरुद्ध धोखाधड़ी और कूटरचना की धाराओं में एफआइआर दर्ज किया है।

केयरवेल डाइस स्कूल (बैकुंठधाम कालोनी)

मदरसा शाफिया खजराना (हीना पैलेस कालोनी)

मदरसा उस्मानिया (चंदननगर)

सेंट जेवियर कान्वेंट स्कूल (सब्जीमंडी खजराना)

सेंट जेआरडी मेमोरियल स्कूल (खजराना)

सोनी के मुताबिक भारत सरकार कार्य मंत्रालय की ओर से संचालित प्री मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक, मेरिक कम मीन्स अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। पोर्टल के विश्लेषण के दौरान कतिपय संस्थान और स्कूल की ओर से फर्जीवाड़ा करने की पुष्टि हुई। इसके बाद शासन ने 27 शिक्षण संस्थानों को रेड फ्लैग चिन्हित किया है। इन संस्थानों का भौतिक सत्यापन के आदेश जारी हुए है। गड़बड़ी की पुष्टि होने पर बुधवार को पांच संस्थानों के विरुद्ध केस दर्ज करवाया गया है।

9वीं और 10वीं के फर्जी छात्रों की छात्रवृत्ति निकाली

पुलिस के मुताबिक अल्पसंख्यक वर्ग के अंतर्गत जैन, बौध,सिख, इसाई एवं पारसी समुदाय के विद्यार्थी आते हैं। जिन संस्थानों के विरुद्ध शिकायत हुई उन्हें 8वीं तक की मान्यता प्राप्त है। संस्थान संचालकों ने फर्जी तरिके से 9वीं और 10वीं के छात्रों का पंजीयन करवाकर छात्रवृत्ति निकाल ली। कुल घोटाला 12 लाख 55 हजार रुपए का है।

मानसून ने पूरे एमपी को किया कवर

इन्दौर के पातालपानी में बहने लगा झरना

लोगों को उमस से मिली राहत

दिन का तापमान लुढ़ककर 31 डिग्री आया

4 दिन तक भारी बारिश का अलर्ट

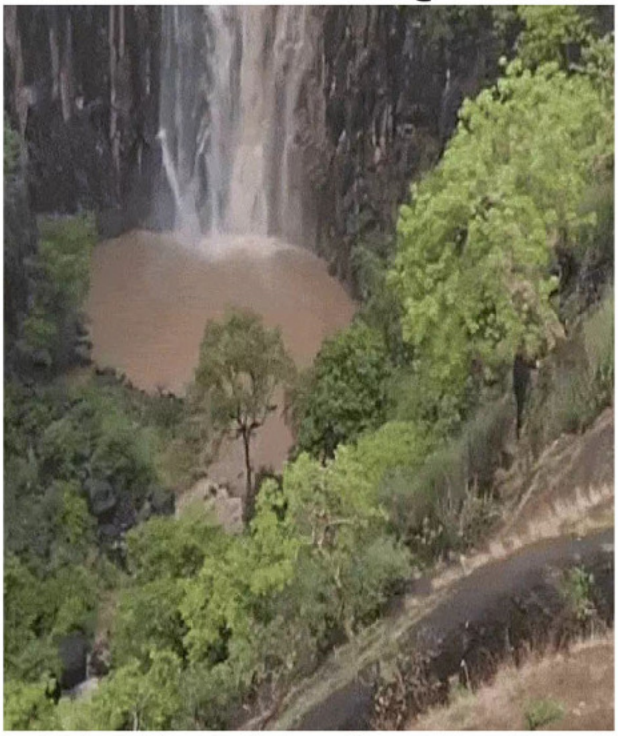

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर में दोपहर करीब 1 बजे शहर के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश शुरू हो गई। एक घंटे बाद भी हल्की बारिश जारी है, जिससे लोगों को उमस से कुछ राहत मिली है। शहर के लसूडिया, विजयनगर, पलासिया, कनादिया, भंवरकुआं, राजवाड़ा मल्हारगंज मालगंज एरोडम क्षेत्र सहित अधिकांश क्षेत्रों में हल्की बारिश तो कहीं रुक-रुक कर हो रही है।

महू के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पातालपानी के सूखे झरने में भी पानी बहने लगा है।

पिछले 24 घंटों में दिन का तापमान 1 डिग्री की गिरावट के साथ 31.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है, जो सामान्य से 4 डिग्री कम है। अभी जून का तीसरा सप्ताह चल रहा है। इस महीने में इंदौर की औसत बारिश 5 इंच मानी जाती है।

ऐसे में जून के बाकी 12 दिनों में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक, फिलहाल दो लो-प्रेशर एरिया (कम दबाव के क्षेत्र) और तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय हैं। इसकी वजह से अगले 4 दिनों तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इस दौरान कहीं अति भारी, तो कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। यानी, 24 घंटे के भीतर 2.5 से 8 इंच तक बारिश हो सकती है।

इस बार मानसून देश में तय समय से 8 दिन पहले ही आ गया था। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में यह तय समय से पहले पहुंचा। ऐसे में अनुमान था कि मध्य प्रदेश में यह जून के पहले हफ्ते में ही आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले 15 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा रहा। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री नहीं हो पाई। 13-14 जून को मानसून आगे बढ़ा। बावजूद यह प्रदेश में 1 दिन लेट हो गया।

तीन दिन में ही मानसून ने पूरे प्रदेश को कवर कर लिया। प्रदेश में मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून ही है। पिछले साल यह 21 जून को एंटर हुआ था। अभी गुजरात में बना सिस्टम आगे बढ़कर यहां सक्रिय होना है। इसमें एक-दो दिन का समय लगेगा। इस दौरान बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश का दौर भी रहेगा।

पहली बार राजवाड़ा पर होगा सामूहिक योग

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को इंदौर के राजवाड़ा पर सामूहिक योग का कार्यक्रम होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से यह आयोजन पहली बार इस ऐतिहासिक इमारत में किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया होंगे।

इस आयोजन की व्यापक तैयारियां जारी हैं। गुरुवार को जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

मंत्री सिलावट ने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी तैयारियां निर्धारित समय से पहले पूरी हो जाएं। कार्यक्रम 21 जून को सुबह ठीक 6 बजे से प्रारंभ होगा। सुबह 6.30 बजे से 6.40 बजे तक भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। सुबह 6.40 बजे से 7 बजे तक विशाखापट्टनम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण होगा। सुबह 7 बजे से 7-45 तक सामान्य योग प्रोटोकाल का योगाभ्यास किया जाएगा।

कार्यक्रम में विद्यार्थी, युवा, नागरिक आदि सामूहिक योग करेंगे। बताया गया कि कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मेयर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी और सभी विधायक मौजूद रहेंगे।

कोरोना के 12 नए मरीज मिले

75 एक्टिव केस, डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी

◆इंदौर, सोने की कलम।

शहर में बुधवार को कोरोना के 12 नए मामले सामने आए हैं। इन मरीजों में अधिकतर को सर्दी, खांसी, बुखार और दस्त जैसी शिकायतें थीं, जिसके बाद उन्होंने जांच करवाई। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सभी को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

इंदौर कोरोना के नए मामले आए सामने

इनमें से अधिकांश मरीज इंदौर के रहने वाले हैं, जिनकी कोई ट्रेवल हिस्ट्री भी सामने नहीं है। इन मरीजों में वह भी शामिल है, जो पिछले दिनों पॉजिटिव आए मरीजों के संपर्क में थे। अभी 75 एक्टिव मरीज है, जिनका डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। अब तक इंदौर में 140 से अधिक मरीज मिल चुके हैं, जिनमें से 132 इंदौर के रहने वाले हैं और बाकि अन्य जिलों से हैं।

मौजूदा वैरिएंट पहले वाले वैरिएंट से ज्यादा खतरनाक

बुधवार को 9 मरीजों को डिस्चार्ज किया है। विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के मरीज सामने आ रहे हैं, लेकिन मौजूदा वैरिएंट पहले वाले वैरिएंट से ज्यादा खतरनाक नहीं हैं। अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण होते हैं और वे होम आइसोलेशन में ठीक हो जाते हैं। लेकिन सभी लोगों को सतर्क होने की आवश्यकता है। भीड़ वाली जगहों पर जाने से इस समय बचना चाहिए।

सावधानी है जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही लक्षण गंभीर न हों, लेकिन भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचना, मास्क पहनना और हैंड सैनिटाइजेशन जैसे नियमों का पालन करना अभी भी जरूरी है। सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। छोटे लक्षणों को भी नजरअंदाज न करें।

- डॉ. भानु मिश्रा, नेफ्रोलॉजिस्ट

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, बीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)